Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 11–2026] CHANDIGARH, WEDNESDAY, MARCH 11, 2026 (PHALGUNA 20, 1947 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 9 मार्च, 2026

संख्या 12/259–2023/पुरा/715–723.– चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणाा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हों, के साथ जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
भूआपुर की छतरी	भूआपुर की छतरी	भूआपुर	तिगांव/फरीदाबाद	खतौनी संख्या 206 खसरा संख्या 16/25 मीन	8 कनाल	निजी (सतबीर आदि)	भूआपुर की छतरी, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत में स्थित है। यह महत्वपूर्ण स्मारक अपनी अनूठी स्थापत्य शैली, क्षेत्र की विशेषता के लिए जाना जाता है और अक्सर अपने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के लिए अभिज्ञात है। छतरी, या कैनोपी, आमतौर पर प्रमुख हस्तियों को समर्पित स्मारकों या स्मारक मेहराबों से जुड़ी होती है। चौधरी उगरा जी के नौ पुत्र तथा एक पुत्री थी जिनके नाम– रामधन जी, मानसिंह जी,

							महाराम जी, जयराम जी, सिंहा जी, मोती जी, जबरी जी, हरिसिंह जी, नायो जी और सांजी बाई थे। चौधरी उगरा जी के पुत्र जबरी जी ने एक जोहड़ (28 कनाल) खुदवाया तथा 70 कनाल में एक चरागाह बनवाई थी। सन 1763 में चौधरी जबरी जी के पुत्र चौधरी रायसिंह ने अपने दादा जी चौधरी उगरा जी तथा पिता जी चौधरी जबरी जी के याद में एक छतरी का निर्माण करवाया जो अभी भी उसके मूल स्वरूप में विद्यमान है। यह छतरी बाग के बीचों बीच स्थित है। छतरी की चारों दिशाओं में चार कमरे तथा चार दरवाजे है, बीच में एक गोल गुम्बद है। कमरों की छत पर एक छतरी बनी हुई है जिसमें आठ खम्बे है। छतरी के नीचे चबुतरे पर सफेद मकराना पत्थर से दो जोड़ी पैर बने हुए हैं। चौधरी रामसिंह जी ने बाग के पूर्व में एक अन्य कुएं का निर्माण करवाया। चौधरी उगरा जी द्वारा अर्जित पूरी जायदाद वर्तमान में उनके वंशजों की शामलात जागीर है। छतरी का सौंदर्यकरण वर्तमान सरपंच कैप्टन गिरधारी लाल तोमर द्वारा 2024 में करवाया गया है। जो उगरा जी के वंशज है।

अमित कुमार अग्रवाल,
आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 9th March, 2026

No. 12/259-2023/pura/715-723.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below, to be protected archaeological sites and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified: -

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Chhatri at Bhuapur	Chhatri at Bhuapur	Bhuapur	Tigaon / Faridabad	Khatoni No. 206 Khasra No. 16/ 25 Min.	8 Kanal	Private (Satbir etc.)	Bhuapur ki Chhatri is located in Faridabad, Haryana, India. This significant monument is characterized by its unique architectural style, typical of the region, and is often recognized for its cultural and historical importance. The chhatri, or canopy, is typically associated with memorials or memorial arches dedicated to prominent figures.

							The Chhatri of Bhuapur is located in Faridabad, Haryana, India. This important monument is known for its unique architectural style, typical of the region, and is often recognized for its cultural and historical significance. Chhatris, or canopies, are usually associated with monuments or memorial arches dedicated to prominent figures. Chaudhary Ugra Ji had nine sons and one daughter, namely Ramdhan Ji, Mansingh Ji, Maharam Ji, Jairam Ji, Singha Ji, Moti Ji, Jabri Ji, Harisingh Ji, Nayo Ji, and Sanji Bai. Chaudhary Ugra Ji's son Jabri Ji built a Johad (28 Kanals) was dug and a pasture was built in 70 Kanals. In 1763, Chaudhary Rai Singh, son of Chaudhary Jabari Ji, built a chhatri in memory of his grandfather, Chaudhary Ugra Ji, and father, Chaudhary Jabari Ji. It still stands in its original form. This chhatri is located in the center of the garden. The chhatri has four rooms and four doors on all four sides, with a circular dome in the center. A chhatri with eight pillars rests on the roof of the rooms. On the platform beneath the chhatri, two pairs of feet are carved from white Makrana stone. Chaudhary Ram Singh Ji constructed another well to the east of the garden. The entire estate acquired by Chaudhary Ugra Ji is currently the shamlat jagir of his descendants. The chhatri was beautified in 2024 by the current sarpanch, Captain Girdhari Lal Tomar is a descendant of Ugra Ji.

AMIT KUMAR AGRAWAL,
Commissioner & Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.

12445—C.S.—H.G.P., Pkl.